श्री वामन अष्टोत्तर शतनामावळि

1. ॐ वामनाय नमः
2. ॐ वारिजाताक्षाय नमः
3. ॐ वर्णिने नमः
4. ॐ वासवसोदराय नमः
5. ॐ वासुदेवाय नमः
6. ॐ वावदूकाय नमः
7. ॐ वालखिल्यसमाय नमः
8. ॐ वराय नमः
9. ॐ वेदवादिने नमः
10. ॐ विद्युदाभाय नमः
11. ॐ वृतदंडाय नमः
12. ॐ वृषाकपये नमः
13. ॐ वारिवाहसितच्छत्राय नमः
14. ॐ वारिपूर्णकमंडलवे नमः
15. ॐ वलक्षयज्ञोपवीताय नमः
16. ॐ वरकौपीनधारकाय नमः
17. ॐ विशुद्धमौंजीरशनाय नमः
18. ॐ विधृतस्फाटिकस्रजाय नमः
19. ॐ वृतकृष्णाजिनकुशाय नमः
20. ॐ विभूतिच्छन्नविग्रहाय नमः
21. ॐ वरभिक्षापात्रकक्षाय नमः
22. ॐ वारिजारिमुखाय नमः
23. ॐ वशिने नमः
24. ॐ वारिजांघ्रये नमः
25. ॐ वृद्धसेविने नमः
26. ॐ वदनस्मितचंद्रिकाय नमः
27. ॐ वल्गुभाषिणे नमः

28. ॐ विश्वचित्तधनस्तेयिने नमः
29. ॐ विशिष्टधिये नमः
30. ॐ वसंतसदृशाय नमः
31. ॐ वह्निशुद्धांगाय नमः
32. ॐ विपुलप्रभाय नमः
33. ॐ विशारदाय नमः
34. ॐ वेदमयाय नमः
35. ॐ विद्वद्दर्धिजनावृताय नमः
36. ॐ वितानपावनाय नमः
37. ॐ विश्वविस्मयाय नमः
38. ॐ विनयान्विताय नमः
39. ॐ वंदारुजनमंदाराय नमः
40. ॐ वैष्णवर्क्षविभूषणाय नमः
41. ॐ वामाक्षिमदनाय नमः
42. ॐ विद्वन्नयनांबुज भास्कराय नमः
43. ॐ वारिजासनगौरीशवयस्याय नमः
44. ॐ वासवप्रियाय नमः
45. ॐ वैरोचनिमखालंकृते नमः
46. ॐ वैरोचनिवनीपकाय नमः
47. ॐ वैरोचनियशस्सिंधुचंद्रमसे नमः
48. ॐ वैरिबाडबाय नमः
49. ॐ वासवार्थस्वीकृतार्थिभावाय नमः
50. ॐ वासितकैतवाय नमः
51. ॐ वैरोचनिकरांभोजरससिक्तपदांबुजाय नमः
52. ॐ वैरोचनिकराब्धारापूरितांजलिपंकजाय नमः
53. ॐ वियत्पतितमंदाराय नमः
54. ॐ विंध्यावलिकृतोत्सवाय नमः
55. ॐ वैषम्यनैर्घृण्यहीनाय नमः
56. ॐ वैरोचनिकृतप्रियाय नमः

57. ॐ विदारितैककाव्याक्षाय नमः
58. ॐ वांछिताङ्घ्रित्रयक्षितये नमः
59. ॐ वैरोचनिमहाभाग्य परिणामाय नमः
60. ॐ विषादहृते नमः
61. ॐ वियद्दुंदुभिनिर्घृष्टबलिवाक्यप्रहर्षिताय नमः
62. ॐ वैरोचनिमहापुण्याहार्यतुल्यविवर्धनाय नमः
63. ॐ विबुधद्वेषिसंत्रासतुल्यवृद्धवपुषे नमः
64. ॐ विभवे नमः
65. ॐ विश्वात्मने नमः
66. ॐ विक्रमक्रांतलोकाय नमः
67. ॐ विबुधरंजनाय नमः
68. ॐ वसुधामंडलव्यापि दिव्यैकचरणांबुजाय नमः
69. ॐ विधात्रंडविनिर्भेदिद्वितीयचरणांबुजाय नमः
70. ॐ विग्रहस्थितलोकौघाय नमः
71. ॐ वियद्गंगोदयांघ्रिकाय नमः
72. ॐ वरायुधधराय नमः
73. ॐ वंद्याय नमः
74. ॐ विलसद्भूरिभूषणाय नमः
75. ॐ विष्वक्सेनाद्युपवृताय नमः
76. ॐ विश्वमोहाब्जनिस्स्वनाय नमः
77. ॐ वास्तोष्पत्यादिदिक्पालबाहवे नमः
78. ॐ विधुमयाशयाय नमः
79. ॐ विरोचनाक्षाय नमः
80. ॐ वह्न्यास्याय नमः
81. ॐ विश्वहेत्वर्षिगुह्यकाय नमः
82. ॐ वार्धिकुक्षये नमः
83. ॐ वरिवाहकेशाय नमः
84. ॐ वक्षस्थ्सलेंदिराय नमः
85. ॐ वायुनासाय नमः

86. ॐ वेदकंठाय नमः
87. ॐ वाक्छंदसे नमः
88. ॐ विधिचेतनाय नमः
89. ॐ वरुणस्थानरसनाय नमः
90. ॐ विग्रहस्थचराचराय नमः
91. ॐ विबुधर्षिगणप्राणाय नमः
92. ॐ विबुधारिकटिस्थलाय नमः
93. ॐ विधिरुद्रादिविनुताय नमः
94. ॐ विरोचनसुतानंदाय नमः
95. ॐ वारितासुरसंदोहाय नमः
96. ॐ वार्धिगंभीरमानसाय नमः
97. ॐ विरोचनपितृस्तोत्र कृतशांतये नमः
98. ॐ वृषप्रियाय नमः
99. ॐ विंध्यावलिप्राणनाध भिक्षादायने नमः
100. ॐ वरप्रदाय नमः
101. ॐ वासवत्राकृतस्वर्गाय नमः
102. ॐ वैरोचनिकृतातलाय नमः
103. ॐ वासवश्रीलतोपघ्नाय नमः
104. ॐ वैरोचनिकृतादराय नमः
105. ॐ विबुधद्रुसुमापांगवारिताश्रितकश्मलाय नमः
106. ॐ वारिवाहोपमाय नमः
107. ॐ वाणीभूषणाय नमः
108. ॐ वाक्पतयेनमः

|| इति श्री वामन अष्टोत्तर शतनामावळि संपूर्णं ||